No. of Printed Pages : **4**

IBO-04

17701

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2015

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Answer **any five** questions. **All** questions carry **equal** marks.*

1. Why are several documents needed while executing an export order ? Explain, and also state the significance of main commercial documents. **10+10**

2. What are the rules relating to realising export proceeds, under the exchange control regulations ? Discuss in detail with examples. **20**

3. "A letter of credit reconciles the conflicting interests of buyer and seller in an international sales contract". Discuss and describe the process of realisation of sale value under letter of credit arrangement. **20**

4. Write a note on financing exports under deferred payment arrangements highlighting the role of Export - Import Bank of India. **20**

5. Discuss the significance of quality control and preshipment inspection in exports. What are the different categories of inspection ? Give a detailed account of procedure in any one of the categories. **5+5+10**

6. Give a detailed description of procedures along with related documents involved in customs clearance of export cargo shipped by sea. **20**

7. Distinguish between : **5x4=20**
   (a) Shipping Bill and Bill of Entry
   (b) Customs Invoice and Consular Invoice
   (c) Bill of Lading and Airway Bill
   (d) Documents against Payment (DP) and Documents against Acceptance (DA)

8. Write short notes on **any two** of the following : **10x2=20**
   (a) ECGC Guarantees
   (b) Indian Trade Promotion Organization
   (c) EPCG scheme
   (d) Procedure for exports by port

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. एक निर्यात ऑर्डर का निष्पादन करते समय अनेक दस्तावेजों की आवश्यक्ता क्यों पड़ती है? व्याख्या कीजिए, तथा मुख्य व्यापारिक प्रलेखों के महत्त्व का विवेचन कीजिए। **10+10**

2. विनिमय नियंत्रण विनियमों के अंतर्गत निर्यात राशि की वसूली के संबंध में क्या नियम हैं? उदाहरणों सहित विस्तार से विवेचन कीजिए। **20**

3. "एक अंतर्राष्ट्रीय विक्रय अनुबंध में साख पत्र (letter of credit) क्रेता एवं विक्रेता के अंतर्द्वंद्वी हितों का समाधान करता है।" विवेचन कीजिए, तथा साख पत्र व्यवस्था के अंतर्गत विक्रय मूल्य की वसूली की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **20**

4. निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आस्थगित भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत निर्यात के वित्तीयन पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए। **20**

5. निर्यात के संदर्भ में गुणवत्ता नियंत्रण तथा पोत-लदान पूर्व निरीक्षण के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। निरीक्षण के क्या विभिन्न वर्ग हैं? किसी एक वर्ग के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही का विस्तृत वर्णन कीजिए। **5+5+10**

6. समुद्री मार्ग द्वारा निर्यात किए जाने वाले माल की सीमा शुल्क निकासी की कार्यविधियों का, संबद्ध प्रलेखों सहित, विस्तृत विवरण दीजिए। **20**

7. निम्नलिखित में अंतर बताइए : **5x4=20**

   (a) जहाजी बिल तथा आगम पत्र (Bill of Entry)

   (b) सीमा शुल्क बीजक तथा कांसुली बीजक

   (c) लदान बिल (B/L) तथा वायुमार्ग बिल

   (d) स्वीकृति पर प्रलेख सुपुर्दगी (D/A) तथा भुगतान पर प्रलेख सुपुर्दगी (D/P)

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10x2=20**

   (a) ECGC गारंटियां

   (b) भारतीय व्यापार संवर्धन संस्था

   (c) EPCG योजना

   (d) पोत (port) द्वारा निर्यात की कार्यविधि